



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2327]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 9, 2010/कार्तिक 18, 1932

No. 2327]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 9, 2010/KARTIKA 18, 1932

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2010

का.आ. 2754(अ).—भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1092(अ), तारीख 14 मई, 2010 और का.आ. 1712(अ), तारीख 19 जुलाई, 2010, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में, क्रमशः तारीख 14 मई, 2010 और 19 जुलाई, 2010 को प्रकाशित की गई थीं, में :—

“और सक्षम प्राधिकारी को किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं;” के लिए

“और आक्षेप प्राप्त हुए थे और सक्षम प्राधिकारी ने उन पर विचार कर लिया है और आक्षेपों को अननुज्ञात कर दिया है” पढ़ें।

[फा. सं. भाराप्र/एलए-2009/नोट/3(डी)/केआरटी/बीएनजी]

एस. एस. गुलिया, निदेशक

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND  
HIGHWAYS

CORRIGENDUM

New Delhi, the 9th November, 2010

S.O. 2754(E).—In the notifications of the Government of India in the Ministry of Road Transport and Highways, numbers S.O. 1092(E), dated the 14th May, 2010 and S.O. 1712(E), dated the 19th July, 2010, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 14th May, 2010 and the 19th July, 2010, respectively :—

for “And whereas no objection has been received from any person by the competent authority”,

read “And whereas objections have been received and the same have been considered and disallowed by the competent authority,”

[F. No. NHAI/LA-2009/Not./3(D)/KRT/BNG]

S. S. GULIA, Director